UGC NET Paper= 2.. Sanskrit

Filler Form

YouTube

JRF का जलवा

UNIT= 5

व्याकरण एवं भाषाविज्ञान सामान्य परिचय

Daily = 6 pm

Class = 88

By=NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d purshuing

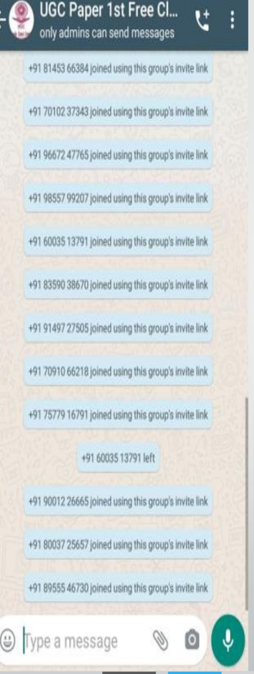
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 60035 13791 left
Type a message

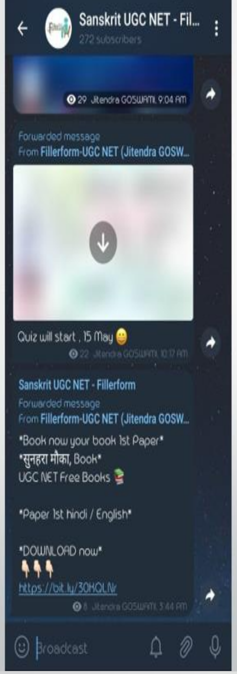
Sanskrit UGC NET - Fil...
272 subscribers
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra GOSW...
Quiz will start , 15 May
Sanskrit UGC NET - Fillerform
Book now your book 1st Paper
सुनहरा मौका, Book
UGC NET Free Books
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
https://bit.ly/3OHQLNr
Broadcast

SANSKRIT BY NIDHU
25 members
Fillar From
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra...
Book now your book 1st Paper
सुनहरा मौका, Book
UGC NET Free Books
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
https://bit.ly/3OHQLNr
Maya Jatwa
Photo
Very good
Message

Filler Form
LATEST UPLOADS
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
"Level of Teaching"
LEARNING MATERIAL
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
Live Class
100% OFF
5000+MCQ+PYQ
Free Books
fillerform

NET Free Class
09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
02:00 PM- Paper 1st MCQ
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd
07:00 PM - Short video(notes)
08:00 PM- Job/PhD update
09:00 PM- Paper 1st DI
Fillerform

m

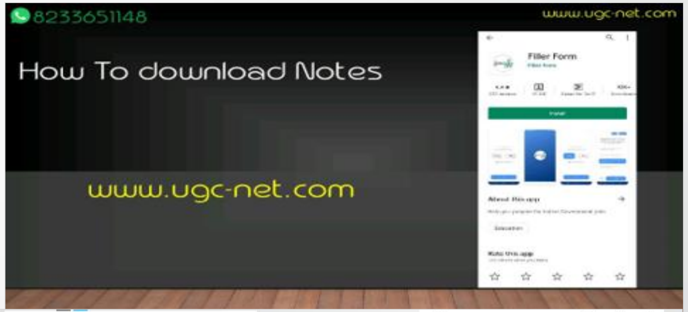
8233651148
www.ugc-net.com
How To download Notes
www.ugc-net.com
Filler Form

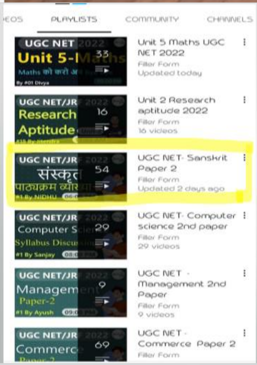
PLAYLISTS
COMMUNITY
CHANNELS
Unit 5 Maths UGC NET 2022
Unit 2 Research aptitude 2022
UGC NET- Sanskrit Paper 2
UGC NET- Computer science 2nd paper
UGC NET - Management 2nd Paper
UGC NET - Commerce Paper 2

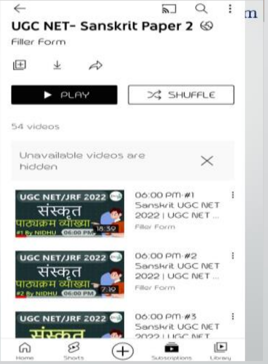
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE
54 videos
Unavailable videos are hidden

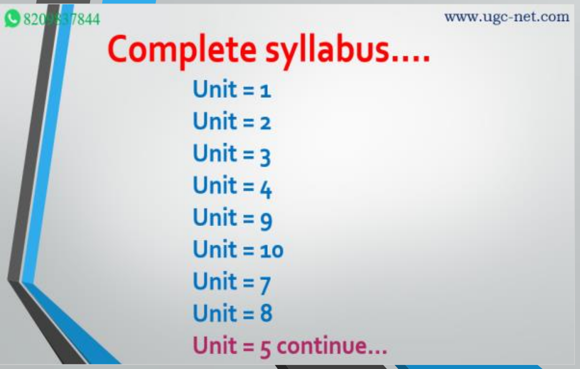
www.ugc-net.com
Complete syllabus....
Unit = 1
Unit = 2
Unit = 3
Unit = 4
Unit = 9
Unit = 10
Unit = 7
Unit = 8
Unit = 5 continue...

www.ugc-net.com
We want JRF
JRF का जलवा
We want JRF

UGC NET Giveaway
Free Smart Watch
MAY
22
Apply Now
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

UGC NET Giveaway
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

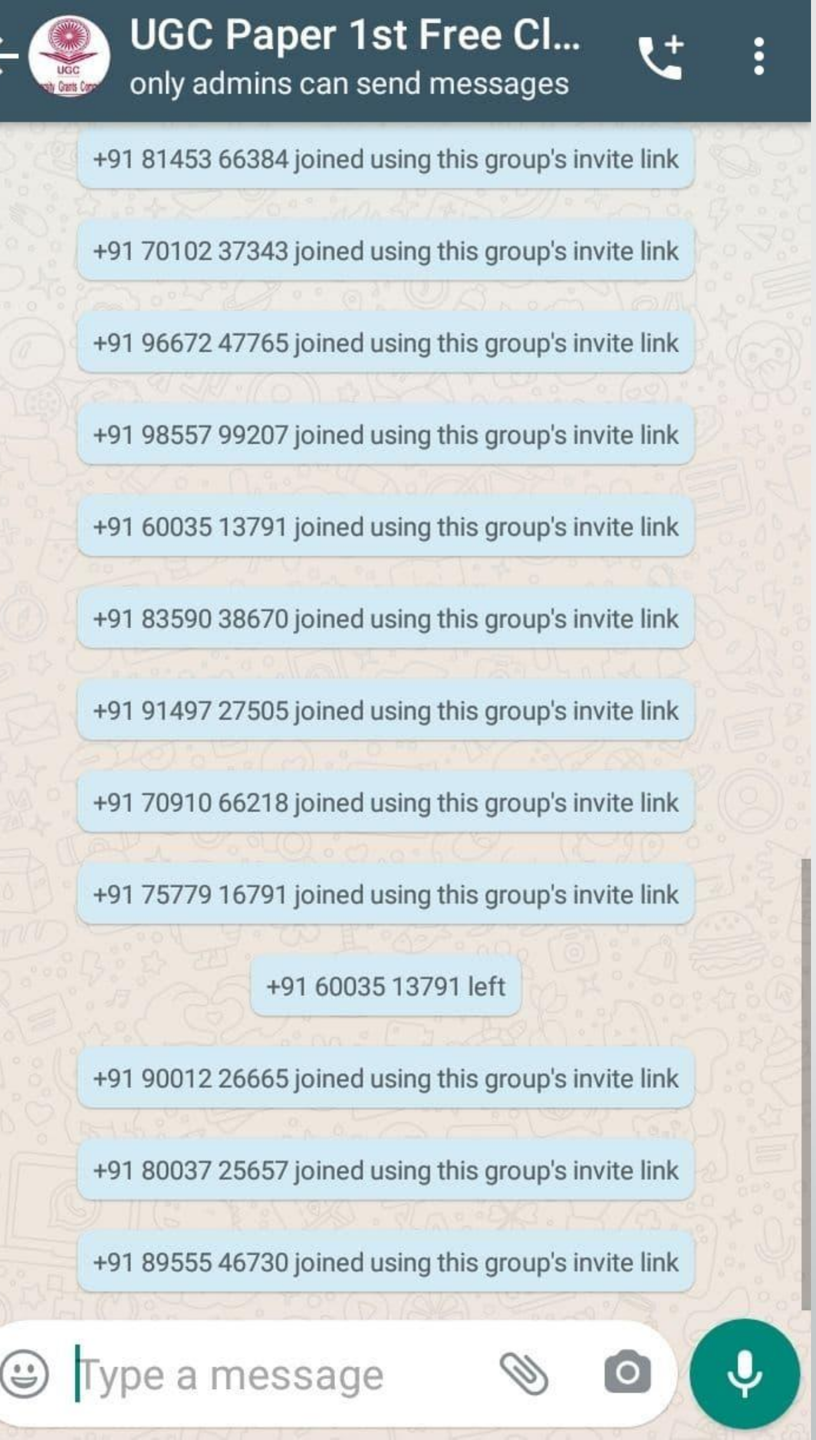
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message

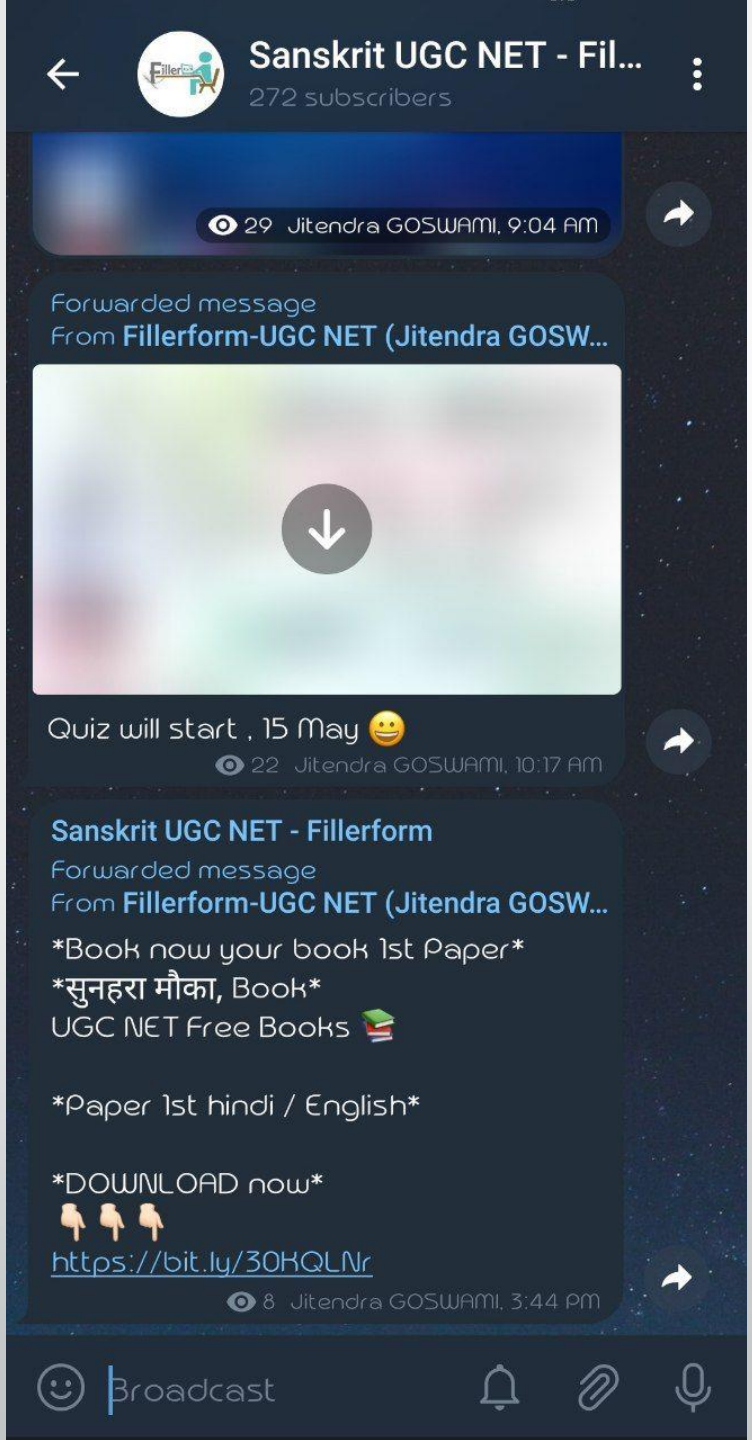
Sanskrit UGC NET - Fil...
272 subscribers
29 Jitendra GOSWAMI, 9:04 AM
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra GOSW...
Quiz will start , 15 May 😀
22 Jitendra GOSWAMI, 10:17 AM
Sanskrit UGC NET - Fillerform
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra GOSW...
Book now your book 1st Paper
सुनहरा मौका, Book
UGC NET Free Books 📚
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
👇👇👇
https://bit.ly/30KQLNr
8 Jitendra GOSWAMI, 3:44 PM
Broadcast

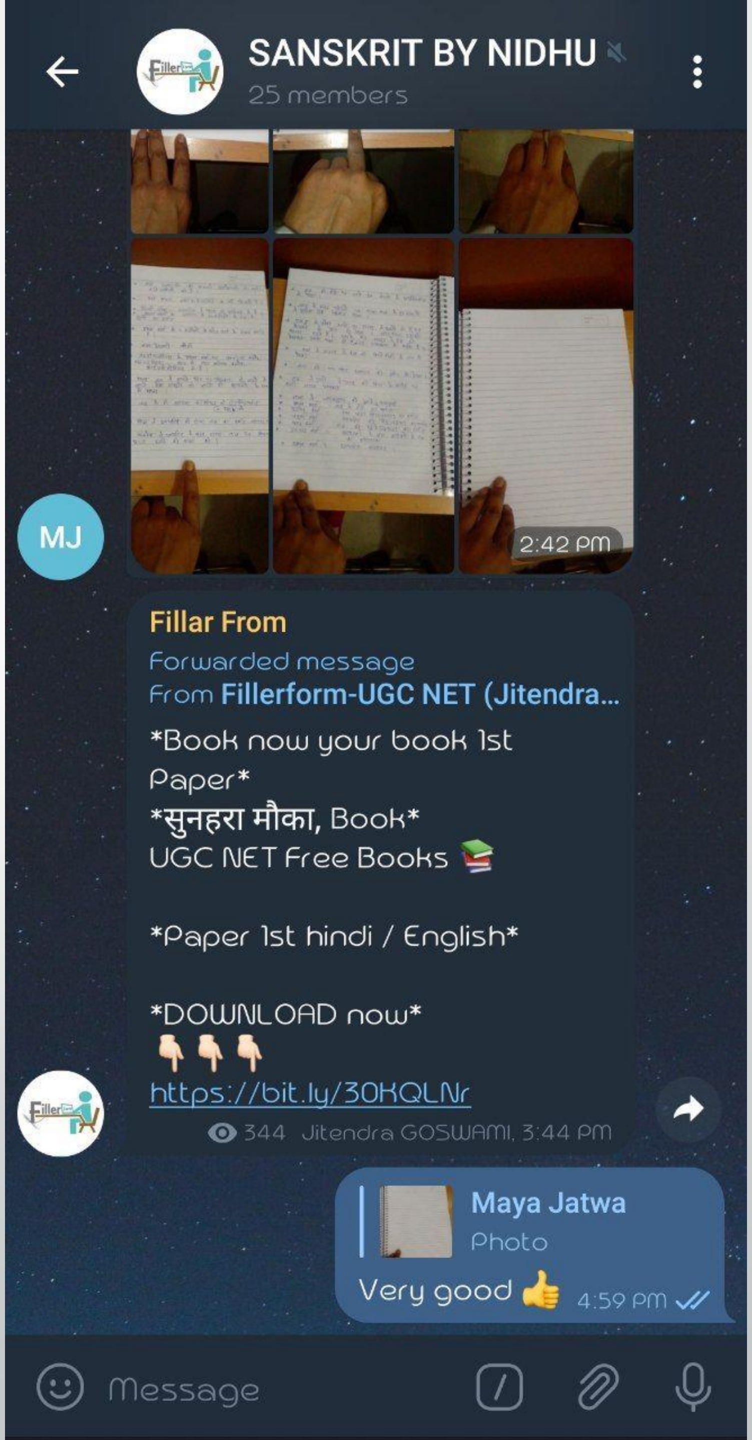
SANSKRIT BY NIDHU
25 members
MJ
2:42 PM
Fillar From
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra...
Book now your book 1st Paper
सुनहरा मौका, Book
UGC NET Free Books 📚
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
👇👇👇
https://bit.ly/30KQLNr
344 Jitendra GOSWAMI, 3:44 PM
Maya Jatwa
Photo
Very good 👍 4:59 PM
Message

Filler Form
LATEST UPLOADS
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
"Level of Teaching"
11:00 AM Level Of Teaching | Teaching
11:00 AM Level Of Teaching | Teaching Aptitude By Jitendra Goswami | NET
LEARNING MATERIAL
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
Live Class
5000+MCQ+PYQ
Free Books
100% OFF
fillerform

8209837844

www.ugc-net.com

NET Free Class

09:00 AM- GK Class

11:00 AM- Paper 1st

12:00 PM - Hindi 2nd

01:00 PM- History 2nd

02:00 PM- Paper 1st MCQ

03:00 PM- Commerce 2nd

06:00 PM- Sanskrit 2nd

07:00 PM - Short video(notes)

08:00 PM- Job/PhD update

09:00 PM- Paper 1st DI

Fillerform

8233651148

www.ugc-net.com

How To download Notes

www.ugc-net.com

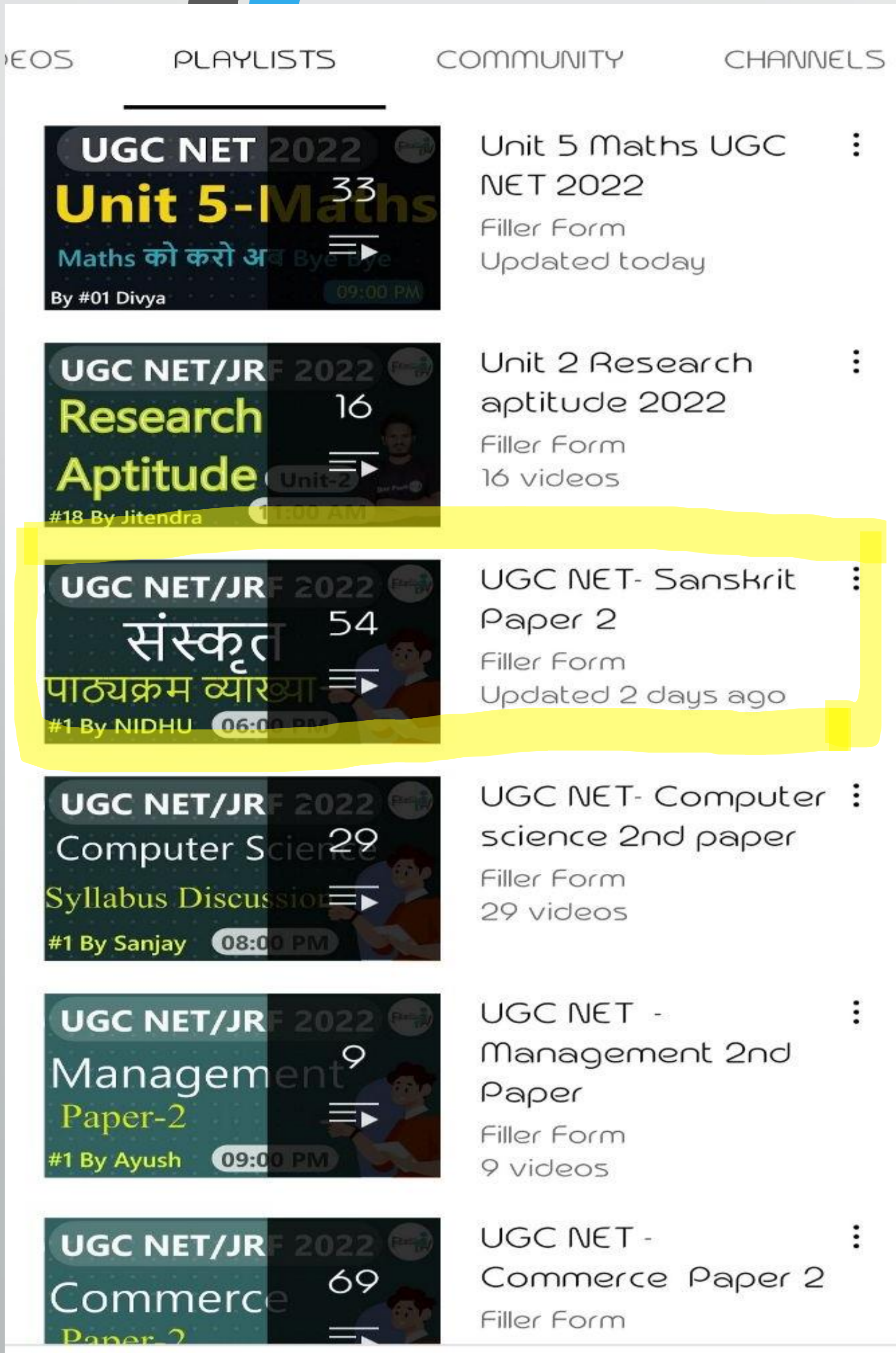

EOS
PLAYLISTS
COMMUNITY
CHANNELS
UGC NET 2022
Unit 5-Maths
33
Maths को करो अब Bye Bye
By #01 Divya
09:00 PM
Unit 5 Maths UGC NET 2022
Filler Form
Updated today
UGC NET/JRF 2022
Research Aptitude
16
Unit-2
#18 By Jitendra
11:00 AM
Unit 2 Research aptitude 2022
Filler Form
16 videos
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
54
पाठ्यक्रम व्याख्या
#1 By NIDHU
06:00 PM
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
Updated 2 days ago
UGC NET/JRF 2022
Computer Science
29
Syllabus Discussion
#1 By Sanjay
08:00 PM
UGC NET- Computer science 2nd paper
Filler Form
29 videos
UGC NET/JRF 2022
Management
9
Paper-2
#1 By Ayush
09:00 PM
UGC NET - Management 2nd Paper
Filler Form
9 videos
UGC NET/JRF 2022
Commerce
69
UGC NET - Commerce Paper 2
Filler Form

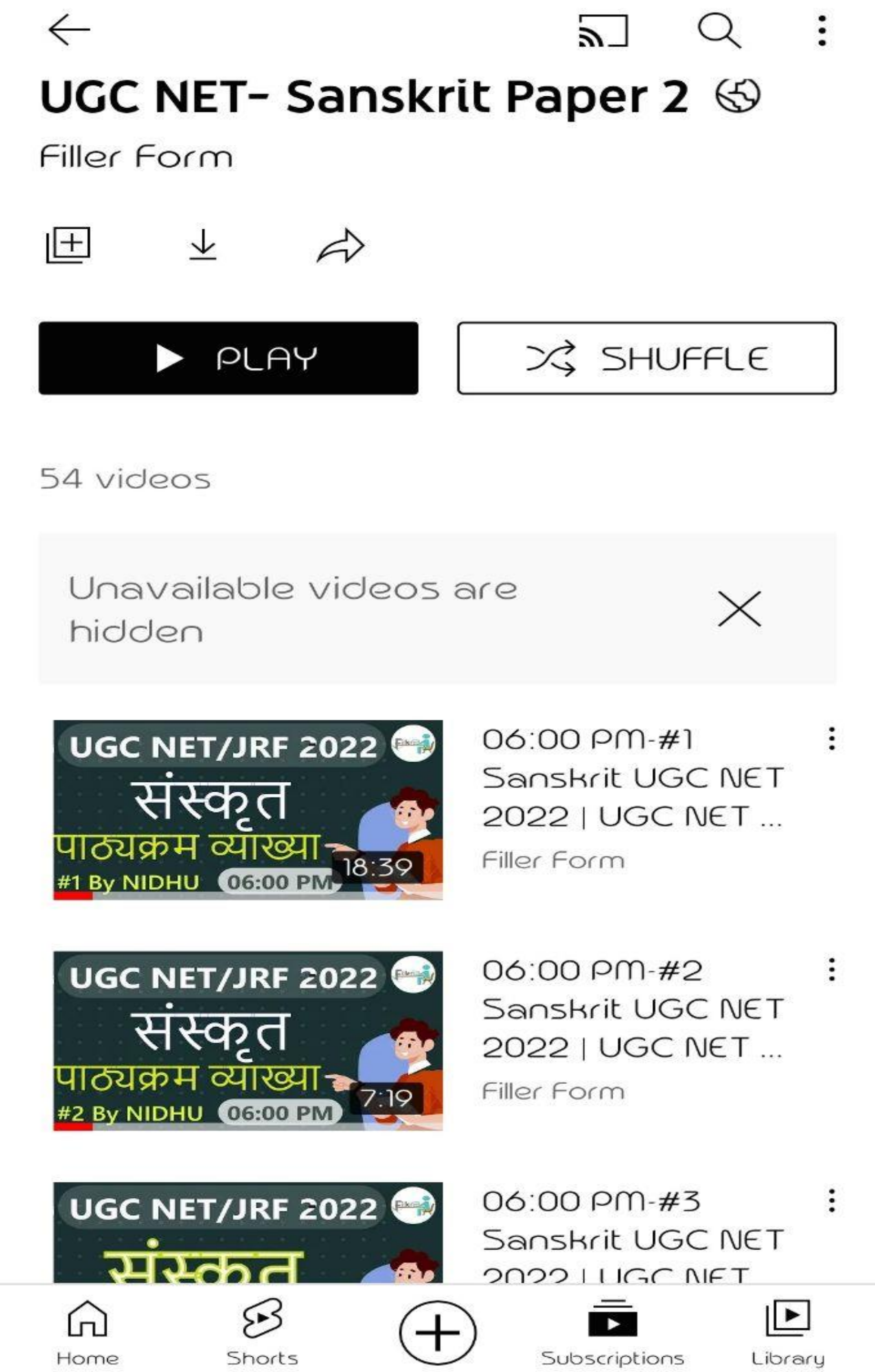

UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE
54 videos
Unavailable videos are hidden
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#1 By NIDHU
06:00 PM
18:39
06:00 PM-#1 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#2 By NIDHU
06:00 PM
7:19
06:00 PM-#2 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
06:00 PM-#3 Sanskrit UGC NET
Home
Shorts
Subscriptions
Library

m

UGC NET Giveaway

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

UGC NET Giveaway

Free Smart Watch

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

8209837844

www.ugc-net.com

We want JRF

🎯 JRF का जलवा 🔥 🏆

We want JRF

8209837844

www.ugc-net.com

Complete syllabus….

Unit = 1

Unit = 2

Unit = 3

Unit = 4

Unit = 9

Unit = 10

Unit = 7

Unit = 8

Unit = 5 continue…

8209837844 www.ugc-net.com

Today's Topic....

॥ पारिवारिक वर्गीकरण ॥

॥ पारिवारिक वर्गीकरण ॥

विश्व की भाषाओं में पारिवारिक वर्गीकरण के (18) भेद माने गए हैं। जर्मनि के विद्वान् "**विल्हेन फाम् हुम्बोल्ट**" के अनुसार- (13) "**फ्रीड्रिश म्यूलर**" - (100) "**भारतीय विद्वान्**"- (10-18) तथा "**देवेन्द्रनाथ शर्मा**" -के अनुसार (18) भेद हैं। पारिवारिक वर्गीकरण अर्थतत्त्व एवं सम्बन्ध तत्त्व दोनों पर है एवं पारिवारिक वर्गीकरण को वंशानुक्रम पर भी आधरित होने से Generalogical (वंशानुक्रमिक) (Genera =वंश) और भूगोल एवं इतिहास पर निर्भर होने से Historical (ऐतिहासिक) कहते हैं।

8209837844

www.ugc-net.com

(क) यूरेशिया (यूरोप-एशिया) भूखण्ड-

1. भारोपीय(भारत-यूरोपीय)- हिन्दी, मराठी, गुजराती, केन्टुम्, शतम् वर्ग।
2. द्रविड़ - तमिल, तेलगु, कन्नड़, मलयालम्।
3. बुरुशस्की- अण्डमानी।
4. काकेशी- (क) उत्तरी वर्ग- कबर्डिन, सर्कासियन, चेचिनिश, लेगियन,
   (ख) दक्षिणी वर्ग- लासिश, जर्जियन, मिंग्रेलियन, स्वानियन।
5. यूराल-अल्ताई-
   (क) यूराल वर्ग- फिनो-उग्री, समोयद।
   (ख) अल्ताई वर्ग- तुर्की, मंगोली, मुंचई ।
6. चीनी- चीनी, तिब्बती, बर्मा (बर्मी), स्यामी, अनामी ।
7. जापानी-कोरियाई- जापानी, कोरियाई ।
8. अत्युत्तरी (हाइपरबोरी) - युकगिर, कमचटका, चुकची, अइनू ।
9. बास्क – इसमें आठ बोलियाँ आती हैं ।
10. सामी-हामी-
   (क) सामी- अक्कदियन, अरमाइक, अरबी, एबीसीनियन, कनानित ।
   (ख) हामी- हिब्रू, मिश्री, लीबियन, एथियोपिक (कुशीत), मेरोइटिक ।

8209837 ... c-net.com

(ख) अफ्रीका भूखण्ड-

11. सूडानी - बुले, मन-फू, कनूरी, नीलोटिक, बन्तूइड, होसा ।

12. बान्तू –

(क) पूर्वी वर्ग- जुलू, काफिर, स्वाहिली ।

(ख) मध्य वर्ग- सेसतो ।

(ग) पश्चिमी वर्ग- हेरेसे, कांगो ।

13. होतेन्तोत- बुशमैनी- बुशमैन (सान), होतेन्तो(नामा), दमारा, सन्दवे।

(ग) प्रशान्त महासागरीय भूखण्ड-

14. मलय पोलिनेशियाई परिवार- मलय, जावी, सुन्दियन, दयक, फ़िजीयन, मिक्रोनेशियन, मझौरी, हवाइयन,

8209837844
www.ugc-net.com

तगल, टोंगन, समोअन ।

15. पापुई- मफोर।

16. आस्ट्रेलियन - मेक्कारी, कामिलरोई।

17. दक्षिण पूर्व-एशियाई परिवार- मुण्डकोल, मोन, ख्मेर, अनामी, निकोबार

(घ) अमेरिका भूखण्ड-

18. अमेरिकी परिवार- इसमें मय, कुईचुआ, अथपस्कन, करीब, अखक, तुपी गुअर्नी, अल्गोनकिन, अजतेक, चेरोफी, बास्क आदि लगभग (1000) भाषाएं हैं ।

परिवारिक वर्गीकरण के आधार-

स्थान-सामीप्य = (स्थान या क्षेत्र की समीपता)

शब्द-साम्य = (शब्दावली की समानता, शब्द अर्थ की समानता)

व्याकरण-साम्य = (पद रचना वाक्य रचना में समानता)

ध्वनि-साम्य = (प्रयुक्त ध्वनियों में समानता)

82098378 ıgc-net.com

भारोपीय परिवार की शाखाएं–

इसकी मुख्यतः 10 शाखाएं है-

1. भारत-ईरानी,
2. बाल्टो-स्लाविक,
3. आर्मीनी
4. अल्बानी (इलीरी)
5. ग्रीक (हेलेनिक)
6. केल्टिक
7. जर्मानिक (ट्यूटानिक)
8. इटालिक
9. हिटाइट (हित्ती)
10. तोखारी

"भारोपीय-परीवारे ईरानी-भारती द्वयी,
बाल्टो-स्लाविकी चैव, आर्मीनी ग्रीक केल्टिकी॥
जर्मानिकी च तोखारी, हित्ती अल्बानिकी तथा,
इटालिकी च दशमी, शाखाश्चैताः प्रकीर्तिताः"॥

8209837844

www.ugc-net.com

भारोपीय परिवार के विभिन्न नाम-

1. इण्डो-जर्मनिक
2. आर्य-परिवार
3. भारोपीय-परिवार
4. भारत-हित्ती परिवार

रचना की दृष्टि से यह परिवार **"श्लिष्टयोगात्मक-"** है।

केन्टुम् और शतम् (सतम्) वर्ग -

इसका विभाजन **"प्रो.अस्कोली"** ने किया है।

शतम् वर्ग	केन्टुम् वर्ग
संस्कृत = शतम्,	लैटिन = केन्टुम्,

8209837844

www.ugc-net.com

अवेस्ता = सतम्,
फारसी = सद,
हिन्दी = सौ,
रूसी = स्तो,
लिथुआनियस = स्जिमतास,

ग्रीक = हेक्टोन,
केल्टिक (आयरिश)= केत,
तोखारी = कन्ध,
गाथिक = हुण्ड,
जर्मन = हुन्डर्ट,
प्रेश्च = सेंट,
इटालियन = केन्तो

शतम् वर्ग

1. भारत-ईरानी (आर्य)
2. बाल्टो-स्लाविक
3. आर्मीनी
4. अल्बानी (इलीरी)

केन्टुम् वर्ग

5. ग्रीक
6. केल्टिक
7. जर्मानिक (ट्यूटानिक)
8. इटालिक
9. हिटाइट
10. तोखारी

8209837844

www.ugc-net.com

भारोपीय-परिवार की विशेषताएं-

"भारोपीय-परिवार-वैशिष्टयं दशकं मतम्।
श्लिष्टयोगात्मकत्वं तु प्रकृति-प्रत्ययात्मता।
एकाक्षरत्वं धातूनां, सुप् तिङौ कृच्च तद्धिता।
स्वातन्त्र्यमुपसर्गाणां पदमूला च वाक्यता।।
प्रत्ययार्थानभिव्यक्तिः समासाभिरुचिस्तथा।
अपश्रुतेः प्रयोगश्च, प्रत्ययाधिक्यमेव च"॥

1. ईरानी-भारती-

भारोपीय परिवार की भाषाओं की तुलना से यह स्पष्ट होता है कि यह परिवार प्रारम्भ से ही दो भागों में विभक्त होता है- केन्टुम् और शतम् (सतम्) वर्ग। केन्टुम् वर्ग में अधिकांश यूरोपीय भाषाएँ आती हैं और शतम् या सतम् वर्ग में मुख्य रूप से संस्कृत और अवेस्ता भाषाएँ । संस्कृत और अवेस्ता में इतनी अधिक समानता है कि इनको एक पृथक् शाखा माना गया है। इसको भारत-ईरानी या **'हिन्द-ईरानी'** शाखा कहते हैं। ईरान शब्द 'आर्याणाम्' का अपभ्रंश रूप है, जैसे- ब्राह्मणानाम् का 'बंभनान', आभीराणाम् का 'हरियाणा'। भारत और ईरान के कारण इसे 'भारत-ईरानी' और आर्य- परिवार के कारण 'आर्य शाखा' कहा जाता है।

8209837844

www.ugc-net.com

भारोपीय-परिवार की विशेषताएं-

"भारोपीय-परिवार-वैशिष्टयं दशकं मतम्।
श्लिष्टयोगात्मकत्वं तु प्रकृति-प्रत्ययात्मता।
एकाक्षरत्वं धातूनां, सुप् तिङौ कृच्च तद्धिता।
स्वातन्त्र्यमुपसर्गाणां पदमूला च वाक्यता।।
प्रत्ययार्थानभिव्यक्ति: समासाभिरुचिस्तथा।
अपश्रुते: प्रयोगश्च, प्रत्ययाधिक्यमेव च"॥

1. ईरानी-भारती-

भारोपीय परिवार की भाषाओं की तुलना से यह स्पष्ट होता है कि यह परिवार प्रारम्भ से ही दो भागों में विभक्त होता है- केन्टुम् और शतम् (सतम्) वर्ग। केन्टुम् वर्ग में अधिकांश यूरोपीय भाषाएँ आती हैं और शतम् या सतम् वर्ग में मुख्य रूप से संस्कृत और अवेस्ता भाषाएँ । संस्कृत और अवेस्ता में इतनी अधिक समानता है कि इनको एक पृथक् शाखा माना गया है। इसको भारत-ईरानी या **'हिन्द-ईरानी'** शाखा कहते हैं। ईरान शब्द 'आर्याणाम्' का अपभ्रंश रूप है, जैसे- ब्राह्मणानाम् का 'बंभनान', आभीराणाम् का 'हरियाणा'। भारत और ईरान के कारण इसे 'भारत-ईरानी' और आर्य- परिवार के कारण 'आर्य शाखा' कहा जाता है।

2. बाल्टो-स्लाविक (लेट्टो- स्लाविक)

इसे लेट्टो-स्लाविक भी कहते हैं, इस उपपरिवार की दो शाखाएं हैं-

(क) **बाल्टिक** - पर्शियन, लिथुआनियन, लेट्टिक।

(ख) **स्लाविक-**

1. महारूसी, श्वेतरूसी, लघुरुसी (रुथेवी)- **पूर्वी**
2. जेक, पोलिश, स्लोवाकी, - **पश्चिमी**
3. बल्गेरी, सर्बो - क्रोटी-दक्षिणी

(3) आर्मीनी (आर्मीनियम्) -

यह आमीनिया की भाषा है। इसके दो रूप है।

1. **स्तम्बूल** - यह यूरोप में बोली जाती है।
2. **अरारट** - यह एशिया क्षेत्र में बोली जाती है।

(4) अल्बानी (इलीरी)-

यह भाषा प्राचीन इलीरी भाषा का ही वर्तमान अवशिष्ट रूप है।

(5) ग्रीक (हेलेनिक)-

इसमें प्राचीन काल में **'एट्टिक'** और **'डोरिक'** मुख्य बोलियां थी। इनमें सबसे पुराने ग्रन्थ **"होमर"** के दो महाकाव्य हैं -1. **इलियड** 2. **ओडिसी**। ग्रीस में सामान्य रूप से प्रचलित जनभाषा को **'कोइने'** कहते थे।

8209837844
www.ugc-net.com

(6) केल्टिक-

यह यूरोप के बहुत बड़े भूभाग की भाषा थी। इसके 2 मुख्य वर्ग हैं- 1. क-वर्ग, 2. प-वर्ग। मूल भारोपीय 'प-ध्वनि' 'प' रहती है, और कुछ में 'क' हो जाती है। जैसे – पेंक्व) 'वेल्श' में 'पम्प' और 'आयरिश' में - 'कोइक' हो जाता है।

क-वर्ग (गेलिक) में - आयरिश मुख्य है।

प-वर्ग (ब्रिटानिक) में - वेल्श और ब्रिटन मुख्य है।

82098378
ugc-net.com

(7) जर्मानिक(ट्यूटॉनिक)-

यह भारोपीय परिवार की सबसे अधिक विस्तृत भूभाग में बोली जाने वाली भाषा है। 'जर्मन' और 'डच्' भाषा का साहित्य भी उच्च कोटि का है।

क्षेत्रीय विभाजन-

पूर्वी क्षेत्र - गाथिक,

पश्चिमी क्षेत्र- अंग्रेजी, उच्च जर्मन, निम्न जर्मन, डच्, फ्लेमिश।

उत्तरी क्षेत्र- आइसलैण्डिक, नार्वेजियन, डेनिश, स्वीडिश।

(8) इटालिक (रोमान्स)-

क्षेत्रीय विभाजन-

1. इटालियन
2. फ्रेंच
3. स्पेनिश
4. रुमानियम

8209837844

www.ugc-net.com

5. पुर्तगाली

रोमान्स वर्ग की भाषाओं का विकास 'लैटिन' से हुआ है।

(9) हिटाइट/हित्ती-

"प्रोस्टुर्टवेंट." ने इसे भारोपीय परिवार की पुत्री न मानकर बहन माना है। भारोपीय परिवार को 'भारत-हित्ती' परिवार कहना अत्यधिक उपयुक्त माना है। हिटाइटों में संज्ञाओं, विशेषणों और सर्वनामों के केवल दो ही लिंग हैं -1. पुल्लिंग 2. नपुंसकलिंग।

इसमें स्त्रीलिंग नहीं है। हिटाइट में (6) कारक है। अधिकरण (सप्तमी) नहीं है सर्वनाम भारतीय सर्वनामों से बहुत मिलते हैं, विशेषतः लैटिन से।

उदाहरण-

हिटाइट	लैटिन	संस्कृत	अर्थ
उक् (उग)	एगो	अहम्	मैं
क्विस, क्विद्	क्विस्,क्विद्	चिद्	कौन
क्विस् क्वि	क्विस् क्वम्	कश्चिद्	कोई
क्विसा	क्विस्क	कस्कः	कोई भी

इसमें दो काल हैं -1. **वर्तमान** 2. **भूत**।

दो वृत्तियां हैं - 1. **निश्चयार्थ** 2. **आज्ञार्थ**।

दो प्रक्रियाएं है- 1. **णिच्** 2. **यङ्**।

8209837844

www.ugc-net.com

(10) तोखारी–

इसे बोलने वाले 'तोखर' लोग थे, महाभारत में इन्हें **"तुषारा:"** कहा है। इसे ग्रीक में तोखराई कहा गया। इसे हूणों ने नष्ट किया था।

मुख्य विशेषताएं-

इसमें कारक 9 हैं। प्रधान कारक 3 हैं -**1. कर्ता, 2. कर्म, 3. सम्बन्ध** । 'तोखारी' में द्विवचन होता है परन्तु 'हिटाइड' में नहीं होता । इसमें 'सौ' के लिये **"कन्ध"** शब्द है, यह केन्टुम् वर्ग में आती है ।

ध्वनियों का वर्गीकरण-

1. **वैदिक ध्वनियां** -(52),

मूलाक्षर - (11) अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ॠ, ऌ, ए, ओ,

2. **संस्कृत ध्वनियां** -(48),

संयुक्त स्वर -(2) ऐ,औ

अन्तःस्थ - य्, र्, ल्, व्

अघोष संघर्षी - श्, ष्, स्

घोष ऊष्म – ह्

अघोष ऊष्म - : विसर्ग

शुद्ध अनुनासिक - अनुस्वार

8209837844

www.ugc-net.com

2. हिन्दी ध्वनियां- (54)

स्वर

संवृत - ई, ऊ, ई, उ

अर्धसंवृत - ए (ऍ), ओ (अँ, ऑ)

अर्धविवृत - अ

विवृत – ऑ,आ

वर्त्स्य – न्, न्ह्, ल्, ल्ह्, र्, र्ह्,

शिथिल स्वर – अ, इ, उ

दृढ़ स्वर – आ, ई, ऊ

पश्च स्वर – उ, ऊ, आ

अग्र स्वर – इ, ई, ए

मध्य स्वर – अ

वर्तुल स्वर- अ, ओ, औ,

व्यंजन

संघर्षी - ह्, ख्, ग्, स, ष्, श्, ज्, फ्, व्,

स्पर्श संघर्षी – च्, छ्, ज्, झ्

अनुनासिक –ङ,(ञ्), ण्, न् ,न्ह, म्, म्ह,

पार्श्विक – ल्, (ल्ह)

लुंठित – र, (र्ह)

उत्क्षिप्त - ड़, ढ़

अन्तस्थ/अर्धस्वर - य्, व्,

प्रयत्न के आधार पर वर्गीकरण -

(1) स्पर्श –

जिनके उच्चारण में वाग्यन्त्र के दो अवयवों का परस्पर स्पर्श होता है। शब्द के अन्त में आने वाले अल्पप्राण स्पर्श अपूर्ण होते हैं -वाक्, क्षुत्, भूभृत्, खट् आदि। स्पर्श के दो भेद हैं-

1. अभिनिधान - अपूर्ण या अस्फोटित।
2. अभिनिहित - पूर्ण या स्फोटित।

स्पर्श व्यंजन –

1. कवर्ग - क् ख् ग् घ्
2. टवर्ग -ट् ठ् ड् ढ्
3. तवर्ग - त् थ् द् ध्
4. पवर्ग - प् फ् ब् भ्

(2) स्पर्श-संघर्षी-

जिनका आरम्भ स्पर्श से होता है, परन्तु इनका स्फोट या उन्मोचन झटके से न होकर धीरे-धीरे होता है।

चवर्ग - च् छ् ज् झ्

82098 net.com

(3) संघर्षी-

जिनके उच्चारण में आन्तरिक वायु का न तो स्पर्श ध्वनियों के तुल्य पूर्णतया अवरोध होता है और न स्वरों के तुल्य अबाध रूप से मुख से बाहर निकलती है।

उदाहरण - (ह् (विसर्ग) ह्, ख्, ग्, श् स्, ज्, फ्, व्,)

(4) अर्धस्वर-

इनके उच्चारण में मुख्य द्वार व्यञ्जनों के तुल्य न पूर्णतया बन्द होता है, और न स्वरों के तुल्य पूर्णतया खुला रहता है। **उदाहरण**- य,व्।

8209837844

www.ugc-net.com

मानवीय ध्वनियन्त्र-

विज्ञान में ध्वनि का सूक्ष्मता से अध्ययन किया जाता है। ध्वनि का एकमात्र साधन वाग्यन्त्र है। वाग्यन्त्र का सूक्ष्मता से ज्ञान ध्वनि-विज्ञान की शिक्षा के लिए अनिवार्य है। ध्वनि कैसे उत्पन्न होती है? किन स्थानों से होकर जाती है, कहाँ रुकती है, कहाँ संघर्ष करती है, कहाँ और कैसे घोष और अघोष का रूप धारण करती है, आदि के स्पष्ट ज्ञान के लिए वागिन्द्रिय या वाग्यन्त्र के प्रत्येक अवयव का ज्ञान अनिवार्य है। इसके आधार पर ही ध्वनिशिक्षा पूर्ण हो सकती है। जिन अवयवों या अंगों की सहायता से भाषा-ध्वनियों का उच्चारण किया जाता है, उन्हें वाग्यन्त्र, ध्वनियन्त्र या उच्चारण- अवयव कहा जाता है । मानवीय वाग्यन्त्र की तुलना वीणा या बांसुरी आदि से की जा सकती है। वीणा आदि में एक ओर से वायु आती है, उसे कभी पूर्ण रूप से रोका जाता है, कभी अपूर्ण रूप से रोका जाता है और कभी पृथक्-पृथक् स्थानों से निर्गत करके स र ग म की विभिन्न ध्वनियाँ उत्पन्न की जाती हैं। इसी प्रकार फेफड़ों से आने वाली निःश्वास वायु स्वरतन्त्रियों, कोमल तालु, कठोर तालु, दन्त, ओष्ठ आदि से नियन्त्रित करते हुए सभी प्रकार की ध्वंनियाँ उत्पन्न की जाती हैं।

8209837844

www.ugc-net.com

ध्वनि परिवर्तन के कारण-

परिवर्तन सृष्टि का नियम है। विश्व की प्रत्येक वस्तु में निरन्तर परिवर्तन होता रहा है हो रहा है और होता रहेगा। इसको ही वैदिक ऋषि ने **'यत् किं च जगत्यां जगत्'** (यजु. 40-1) कहा है। संसार की प्रत्येक वस्तु संसरणशील, परिवर्तनशील है । प्रत्येक भाषा की ध्वनियों में भी निरन्तर परिवर्तन होता रहा है। इसी परिवर्तन के कारण एक-एक शब्द के अनेक अपभ्रंश हो जाते हैं। जैसे-मनुष्य, मानुष, मानस, मनुस आदि। अतएवं महाभाष्यकार पतंजलि ने कहा है- **"एकैकस्य हि शब्दस्यबहवोऽपभ्रंशाः"। (महाभाष्य, प्रथम आह्निक)** भाषा का प्रमुख तत्त्व ध्वनि है। वक्ता इसका उच्चारण करता है और श्रोता इसे सुनता है। वक्ता की ध्वनि पर दो प्रकार का प्रभाव पड़ता है- **1. आभ्यन्तर, 2. बाह्य।** वक्ता और श्रोता से संबद्ध कारणों को आभ्यन्तर कारण कहते हैं। **जैसे-** प्रयत्नलाघव, मुखसुख, अज्ञान, शीघ्रभाषण आदि। इसके अतिरिक्त अन्य कारणों को बाह्य कारण कहते हैं। ये कारण बाहर से ध्वनि को प्रभावित

8209837844

www.ugc-net.com

करते हैं। **जैसे**- सामाजिक, राजनीतिक, भौगोलिक आदि कारण। इस प्रकार ध्वनि-परिवर्तन के कारणों को दो भागों में विभक्त किया जा सकता है- **(क) आभ्यन्तर कारण, (ख) बाह्य कारण।**

ध्वनि

आभ्यन्तर (10)	**बाह्य** (6)
1. प्रयत्नलाघव या मुखसुख	1. भौगोलिक प्रभाव
2. लघूकरण की प्रवृत्ति	2. सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियाँ
3. अनुकरण की अपूर्वता	3. काल प्रभाव या स्वभाविक विकास
4. अशिक्षा	4. लिपि दोष
5. शीघ्र भाषण	5. अन्य भाषाओं का प्रभाव
6. भावावेश	6. सादृश्य
7. काव्यात्मकता	
8. बलाघात	
9. कृत्रिमता	
10. भ्रामक व्युत्पत्ति	

ध्वनिपरिवर्तन का सर्वप्रमुख कारण है- **प्रयत्नलाघव या मुखसुख**

820983 -net.com

ध्वनि परिवर्तन

- अकारण
- सकारण/सहेतुक

उदाहरण-

(क) संस्कृत एवं अवेस्ता में ग, गी और लैटिन (e,ए)

संस्कृत	लैटिन	संस्कृत	लैटिन
भरामि	fero	अहम्	ego

संस्कृत एवं अवेस्ता में (आ) ग्रीक और लैटिन में (o)

संस्कृत	लैटिन	संस्कृत	लैटिन
ददाति	duman	द्वा	duo

Next class....

॥ध्वनि नियम॥

WE WANT
YOUR
FEEDBACK

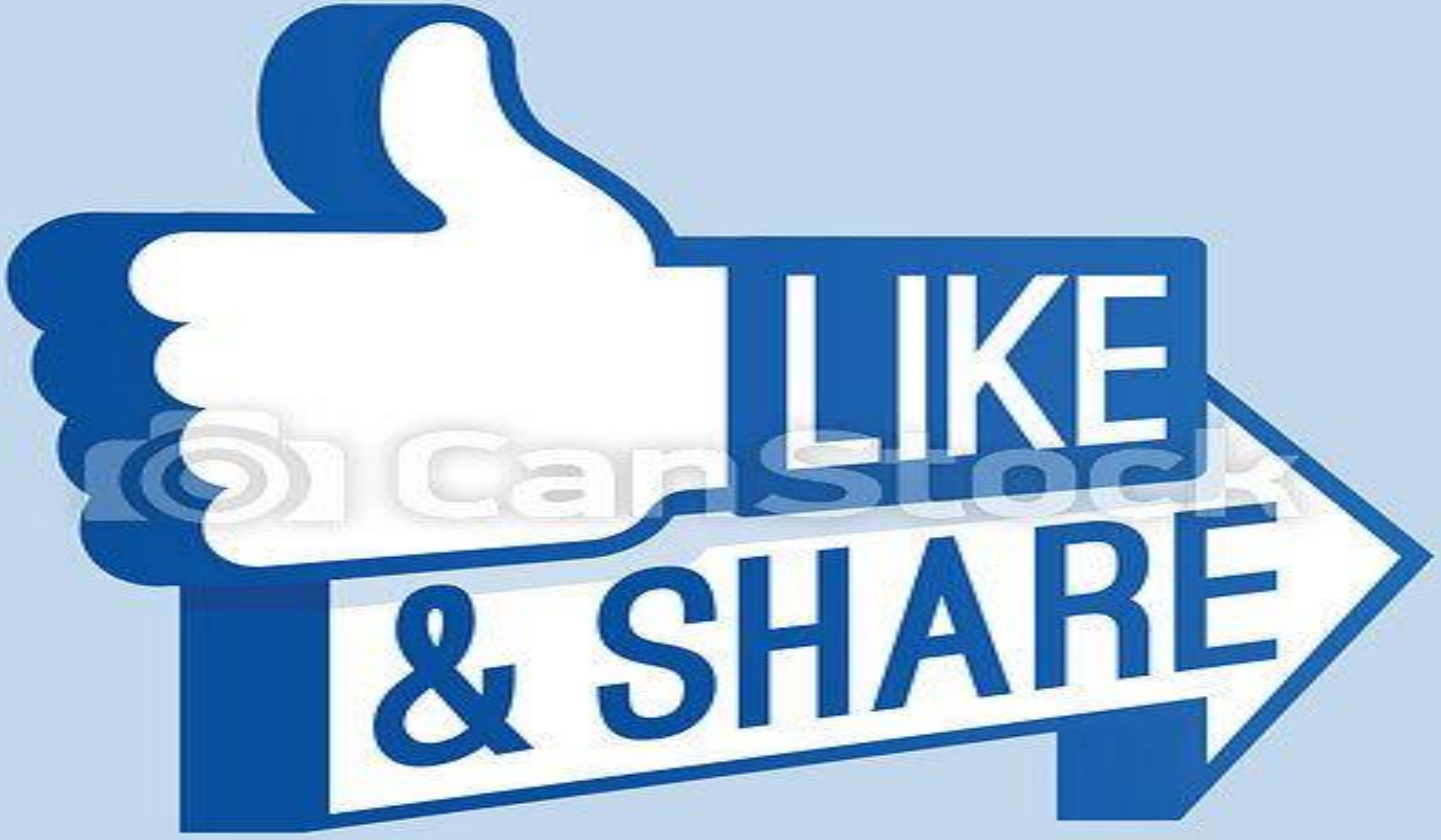
LIKE
& SHARE

For More Information….

www.ugc-net.com

/Fillerform

/Fillerform

//Fillerform

info@fillerform.com

8209837844

8209837844

ww.ugc-net.com

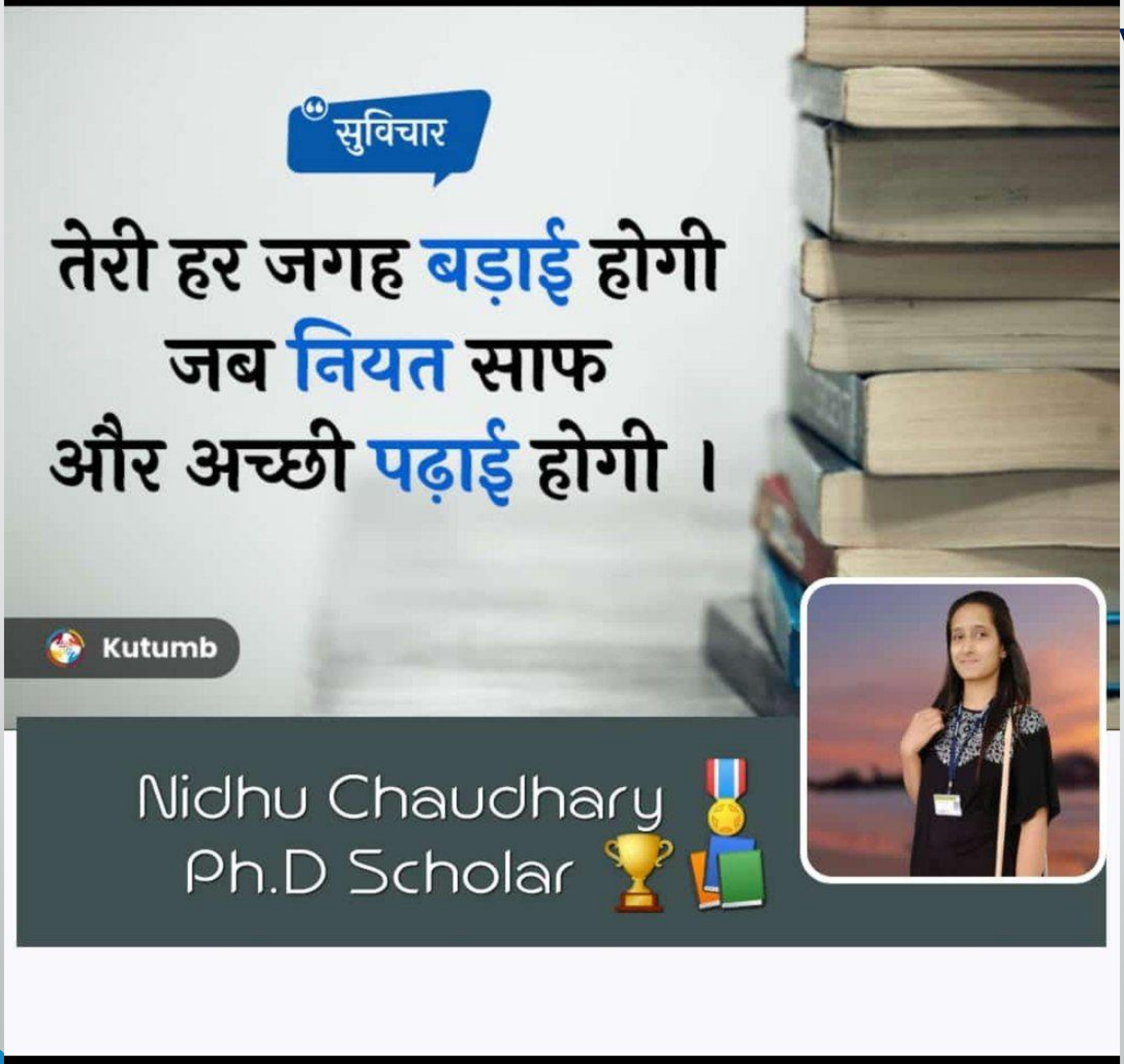

thank you
dreamstime